Victorian Essential Learning Standards

Hindi

VICTORIAN CURRICULUM AND ASSESSMENT AUTHORITY

विद्यार्थियों की पढ़ाई व उसके मानकों के बारे में माता-पिता के लिए महत्त्वपूर्ण जानकारी

विक्टोरिया के स्कूलों में कक्षा प्रेप से कक्षा 10 तक में एक नई पद्धति

इस पुस्तिका में:

- नए मानकों के उदाहरण हैं
- उन कार्यक्रमों के प्रकारों की व्याख्या है जिनमें लड़के /लड़कियां स्कूल में भाग लेंगे
- उन अनुभवों का वर्णन है जो कक्षा प्रेप से कक्षा 10 तक विक्टोरिया के विद्यार्थियों को प्राप्त होंगे

Victoria
The Place To Be

Victorian Essential
Learning Standards

भूमिका

तालिका 1ः ढांचा				विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस												
शारीरिक,व्यक्तिगत व सामाजिक शिक्षण				विषय-आधारित शिक्षण									अंतःशास्त्रीय शिक्षण			
स्वास्थ्य व शारीरिक शिक्षण	अंतर्वैयक्तिक विकास	व्यक्तिगत शिक्षण	नागरिक शास्त्र व नागरिकता	कला	अंग्रेज़ी	मानविकी	– अर्थशास्त्र	– भूगोल	– इतिहास	अंग्रेज़ी के अतिरिक्त भाषाएँ	गणित	विज्ञान	संव्यवहार	डिजाईन, सृजनात्मकता व प्रौद्योगिकी	सूचना व संचार प्रौद्योगिकी	तर्कशक्ति प्रक्रियाएँ

विक्टोरिया में पढ़ाई के आवश्यक मानक (विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस्) क्या हैं ? स्कूल इनका प्रयोग कब करेंगे ?

विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस् (जो VELS या मानकों के रूप में भी जाने जाते हैं) को 2006 से शुरू किया जा रहा है। ये मानक कक्षा प्रेप से कक्षा 10 तक के पाठ्यक्रम के लिए एक नई पद्धति प्रदान करते हैं। ये विद्यार्थियों के लिए महत्त्वपूर्ण शिक्षण की रूपरेखा बताते हैं ताकि वे प्रेप से कक्षा 10 तक अपने शिक्षण में प्रगति करें। इन वर्षों में विद्यार्थियों की उपलब्धियां उन्हें अपनी पढ़ाई के अंतिम वर्षों व कार्यक्षेत्र के लिए तैयार करती हैं।

विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस् में छः स्तरों के मानक शामिल हैं जो मोटे तौर पर कक्षा प्रेप से 10 के शिक्षण से संबंधित हैं। सभी मानकों को विद्यार्थियों को व्यस्त करने, उनका आत्मविश्वास बनाने, शिक्षण की विभिन्न पद्धतियां प्रदान करने व उन्हें उपलब्धि हेतु चुनौती देने के लिए बनाया गया है।

लड़के लड़कियों को उन कार्यक्रमों को प्रदान करने की प्राथमिकता दी गई है जो उन्हें कक्षा प्रेप से 10 तक जाते हुए मानकों की उपलब्धि को प्रदर्शन करने के अवसर प्रदान करते हैं।

ये मानक अगले तीन सालों में परिवर्तन में लाए जाऐंगे। 2006 में, स्कूल माता-पिता को अंग्रेज़ी व गणित के मानकों मे विद्यार्थी की प्रगति की रिर्पोट देना प्रारंभ करेंगे और हो सकता है कि वे मानकों के अन्य क्षेत्रों में भी रिर्पोट देना पसंद करें। 2007 और 2008 में आपके बच्चे की प्रगति की रिर्पोट के बारे में अधिक जानकारी के लिए पृष्ठ 16 पर देखें।

क्या अपरिवर्तित रहेगा ? क्या-क्या बदल रहा है ?

विद्यार्थी अंग्रेज़ी, गणित, विज्ञान, मानविकी, भाषा शास्त्र, स्वास्थ्य व शारीरिक शिक्षा व कला आदि पारम्परिक विषयों के क्षेत्रों में ज्ञान व निपुणता विकसित करना जारी करेंगे।

नई पद्धति इन पारम्परिक विषय क्षेत्रों को शिक्षण के अन्य महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों के साथ अधिक निकटता से जोड़ती है जैसे कि शारीरिक, व्यक्तिगत व सामाजिक कौशल व कार्यक्षेत्र की स्थितियों में और भविष्य के शिक्षण में ज्ञान को लागू करने की क्षमता।

इस नई पद्धति के अर्न्तगत सामाजिक संबंधों को बढ़ाने व कौशल को विकसित करने जैसे क्षेत्रों में भी निर्धारित तर्क शक्ति व संव्यवहार के लिए भी मानक बनाए जा रहे हैं।

जिन शिक्षण क्षेत्रों के मानक निश्चित किए गए हैं उनकी सूची तालिका 1 में है। इन क्षेत्रों में मानकों की प्राप्ति विभिन्न तरीकों से की जा सकती है। स्कूल की समय सारिणी में ये सभी अलग विषयों के रूप में प्रकट नहीं होंगे। स्कूल अपने विद्यार्थियों के लिए इन क्षेत्रों में ज्ञान व कौशल सीखने व मानकों की प्राप्ति के लिए अति उत्तम तरीकों की योजना करेंगे।

उदाहरण के लिए, माध्यमिक स्कूलों में शायद व्यक्तिगत शिक्षण व अंतर्वैयक्तिक विकास को विज्ञान, इतिहास, लकड़ी का काम जैसे पारम्परिक विषयों में शामिल किया जाएगा। कई प्राथमिक विद्यालय अपने विद्यार्थियों के कार्यक्रमों में इन विषयों का समाकलन करेंगे।

विद्यार्थियों का मूल्यांकन मानकों के अनुसार कैसे किया जाता है ?

विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस् विद्यार्थियों की उपलब्धि के मूल्यांकन के लिए मानकों का एक स्पष्ट संग्रह प्रदान करता है। विद्यार्थी विस्तृत प्रकार की शिक्षण व मूल्यांकन गतिविधियों को सफ़ल तरीके से पूरा करके मानकों की प्राप्ति करते हैं। इन गतिविधियों में लिखना, प्रदर्शन करना, सृजन करना व अनेकों प्रकार के कार्यों व परीक्षाओं का उत्तर देना शामिल होगा।

अध्यापक विक्टोरिया के पाठ्यक्रम और परीक्षा प्राधिकरण (विक्टोरियन करीकुलम एंड असैसमेंट ओथोरिटी),शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग (डिपार्टमेंट आफ़ एजूकेशन एंड ट्रेनिंग),कैथोलिक शिक्षा अधिकारियों या अन्य व्यक्तियों द्वारा तैयार किए गए स्त्रोतों का प्रयोग मानकों से संबंधित कार्यक्रमों के विकास के लिए कर रहे हैं। वे अपने स्कूलों में सहकर्मियों व अध्यापकों के समूहतंत्रों (नेटवर्क्स) के साथ भी काम कर रहे हैं ताकि वे स्पष्ट रूप से समझ सकें कि मानकों को पूरा करने के लिए क्या आवश्यकताऐं हैं।

मानकों की रिर्पोट कैसे दी जाएगी ?

विक्टोरिया में राज्य भर के मानकों पर आधारित एक नई रिर्पोट पद्धति शुरू की गई है। यह सरकारी, कैथोलिक व कुछ स्वतंत्र स्कूलों में प्रयोग कीजाएगी। माता- पिता को दी जाने वाली रिर्पोट आसान अंग्रेज़ी में लिखी जाएगी।

विद्यार्थियों की रिर्पोटों में मानकों के संबंध में उपलब्धियों पर A से E तक पांच स्तरीये पैमाने पर टिप्पणीयां होंगी। 'C' दर्शाता है कि विद्यार्थी सही रास्ते पर है व वर्ष के उस समय उपलब्धि के अपेक्षित स्तर पर हैं। 'A' दर्शाता है कि विद्यार्थी वर्ष के उस समय उपलब्धि के अपेक्षित स्तर से कहीं अधिक ऊपर है।

रिर्पोट लिखने में अधिक स्पष्ट मानक व सहजबुद्धि के दृष्टिकोण से अध्यापकों को सभी बच्चों के लिए अगले शिक्षण के कदमों की योजना करने में सहायता मिलती है।

विद्यार्थियों के नए रिर्पोट कार्ड के बारे में और अधिक जानकारी के लिए **www.sofweb.vic.edu.au/studentreports** पर जाऐं।

विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस् का अन्य राज्यों के साथ कैसा तालमेल है ?

विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस् का विकास आस्ट्रेलिया के राज्यों व क्षेत्रों के मानकों व अन्तर्राष्ट्रीय परिवेश में किया गया है। वे इन मानकों के अनुरूप हैं। वे अध्यापकों के लिए विक्टोरिया में विदेशों से या अन्तर्राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों का मूल्यांकन करना भी आसान बनाऐंगे।

इस पुस्तिका के बारे में

विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस् को निम्न स्तरों पर निर्धारित किया गया है : प्रेप, कक्षा 2, 4, 6, 8 और 10। मानक उस ज्ञान व कौशल का उल्लेख करते हैं जिसे विद्यार्थियों को इन वर्षों के अन्त में प्राप्त करने का उद्देश्य रखना चाहिए, जहां पर इन मानकों का प्रयोग आवश्यक व विकास के लिए उचित हो।

यह पुस्तिका इन स्कूल वर्ष के स्तरों व मानकों को जोड़ती है। इसमें मानकों के और कक्षा में वे कैसे लागू किए जाते हैं, के उदाहरण हैं।

आप इस पुस्तिका का प्रयोग अपने बच्चे के स्कूल वर्षों को देखने के लिए कर सकते हैं व यह देखने के लिए कि विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस् को संबोधित करने वाले शिक्षण कार्यक्रमों का विकास स्कूल में कैसे किया जाता है।

उपलब्धि विकास मापक (एचीवमेंट इम्प्रूवमेंट मॉनीटर (AIM) कक्षा 3, 5, 7 और 9

कक्षा 3, 5, 7 और 9 में AIM कार्यक्रम विद्यार्थियों के अंग्रेज़ी व गणित कौशल और वे विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस् के अनुरूप कैसे प्रगति कर रहे हैं की जांच करता है। AIM के परिणाम स्कूलों द्वारा प्रयोग किए गए मूल्यांकन साधनों के साथ, विद्यार्थियों, माता पिता व अध्यापको के लिए मूल्यवान जानकारी व निर्देशन प्रदान करते हैं। AIM के विषय में और अधिक जानकारी के लिए **www.vcaa.vic.edu.au** पर जाऐं।

स्कूल में प्रेप कक्षा

तालिका 2: प्रेप	विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस्			
शारीरिक, व्यक्तिगत व सामाजिक शिक्षण		विषय-आधारित शिक्षण		
स्वास्थ्य व शारीरिक शिक्षा	अंतर्वैयक्तिक विकास	कला	अंग्रेज़ी	गणित

विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस् स्कूलों के लिए, हमारे नन्हें विद्यार्थियों के द्वारा उनकी प्रेप कक्षा में सीखने व उपलब्धि हेतु वातावरण बनाते हैं और उसे आसान करते हैं।

प्रेप में साक्षरता, गणना, अंतर्वैयक्तिक विकास, शारीरिक स्वास्थ्य व कला, विकास के लिए महत्त्वपूर्ण क्षेत्र हैं। तालिका 2 में दिखाया गया है कि प्रेप मे मूल्यांकन व रिर्पोट के लिए मानक कहां निर्धारित किए गए हैं।

मानक केवल इन्हीं क्षेत्रों में निर्धारित किए गए हैं क्योंकि इस स्तर पर ये शिक्षण की उच्चतम प्राथमिकता है। स्कूल इन क्षेत्रों में अधिक समय लगाते हैं क्योंकि ये प्रेप में प्राथमिकता के रूप में निर्धारित किए गए हैं।

प्रेप में विभिन्न क्रियाकलाप व जीवंत कक्षा का कमरा बढ़ते बच्चे के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। यहां पर ही विद्यार्थी शिक्षण के प्रति सकारात्मक रुख का विकास कर सकते हैं। यह समझना कि अच्छा मित्र होने का अर्थ क्या है, एक अच्छा मित्र बनाना व उसकी देखभाल करना और दूसरों के साथ काम करना, उनके विकास काएक हिस्सा है।

जैसे ही विद्यार्थी प्रेप कक्षा पूरी करते हैं वे मूलभूत साक्षरता व अंकज्ञान का कौशल सीख लेते हैं और उन्होंने साधारण पेशीय (Motor) व तालमेल (Coordination) कौशल में भी निपुणता हासिल कर ली होती है। उन्होंने अपनी समर्थता को बढ़ाते हुए शारीरिक गतिविधियों में भाग ले लिया है और अपने कला कार्य में विचार व भावनाओं को व्यक्त कर लिया है।

बच्चे अपनी निपुणताओं को जितना अधिक व्यवहार में लाते हैं, वे उतने ही अधिक विश्वस्त हो जाते हैं और उनकी उतनी ही अधिक शिक्षण में रूचि लेने की संभावना होती है। बच्चों की सीखने की इच्छा को प्रोत्साहित करने के लिए माता-पिता व स्कूलों के लिए इकठ्ठे मिल कर काम करने के अवसर प्राप्त हैं, उदाहरण के लिए माता-पिता का अपने बच्चों को पढ़ कर सुनाना और उन्हें पुस्तकों का आनंद लेने में मदद करना।

कक्षा प्रेप में शिक्षण के विशेष क्षेत्रों के मानक निम्न उदाहरणों में दर्शाये गए हैं

अंग्रेज़ी

कक्षा प्रेप के विद्यार्थी अंग्रेज़ी में वे गतिविधियां पूर्ण करते हैं जो वर्णमाला के अक्षर सही तरीके से लिखना सीखने पर केन्द्रित होती हैं। विद्यार्थी पढ़ने, लिखने व सुनने पर भी ध्यान केन्द्रित करते हैं। उदाहरण के लिए उन्हें वर्णमाला की समझ आनी शुरू हो जाती है और यह कि हम बायें से दांऐं की ओर पढ़ते हैं।

वे इन कौशलों से निम्न की ओर अग्रसर होते हैं :

- आसान वाक्य लिखना
- परिवार,पालतू जानवर, छुट्टियों जैसे विषयों पर आसान कहानियां लिखना।

साथ ही वे :

- सुनने का महत्त्व सीखते हैं
- कहानियां सांझी करने का व विचार प्रदान करने का विश्वास विकसित करते हैं
- जानकारी के लिए प्रश्न पूछना सीखते हैं

स्कूल में प्रेप कक्षा

- आसान विरामचिन्हों का प्रयोग करना सीखते हैं जैसे कि पूर्ण विराम व बड़े अक्षर
- जब कोई कथन या प्रश्न अस्पष्ट होता है तो दुबारा कह कर स्वयं को ठीक करते हैं।

गणित

कक्षा प्रेप में गणित के मानक निम्न पर ध्यान देते हैं :

- संख्या
- आकृतियों, वस्तुओं व स्थिति के द्वारा स्थान का ज्ञान
- मापन, संभावना और आंकड़े
- गणित के अनुसार कार्य करना सीखना।

विद्यार्थी विभिन्न आकारों व आकृतियों का प्रयोग करना सीखते हैं और यह समझते हैं कि चीज़ों को एक दूसरी तरफ़, आगे या पीछे, ऊपर और नीचे कैसे रखना है और किसी वस्तु के अधिक बड़े व भारी होने जैसे विचारों का प्रयोग करते हैं। विद्यार्थी विभिन्न प्रकार से मानकों की उपलब्धि दर्शाते हैं जिनमें निम्न शामिल हैं

- आकार के क्रम से वस्तुओं को रखना
- 0–20 तक की संख्याओं का प्रयोग करना
- मूलभूत जमा व घटा करना
- त्रिकोण, गोलाकार व चतुर्भुज जैसी आकृतियों की पहचान करना
- सप्ताह के दिन क्रम से बताना।

अंतर्वैयक्तिक विकास

बच्चे अपने अंतर्वैयक्तिक कौशलों का विकास करते हैं जब वे अन्य विद्यार्थियों, अध्यापक व अन्य व्यस्कों के साथ बात करते हैं।

मानक उन अपेक्षाओं का वर्णन करते है कि कक्षा प्रेप के विद्यार्थी किस प्रकार:

- मित्रताऐं विकसित करते हैं
- बांटना सीखते हैं और अपनी बारी लेते हैं
- एक मित्र के गुणों को पहचानते हैं
- दूसरों के अधिकारों व भावनाओं की कद्र करते हैं।

कला

कला में, प्रेप के विद्यार्थी रचना व प्रदर्शन कलाऐं करते है (उदाहरण के लिए, संगीत व नृत्य) और द्विविम या त्रिविम दृश्य कलाकृतियां बनाते हैं (उदाहरण के लिए, चित्रकारी व मिट्टी के माडल)। वे :

- विभिन्न तत्वों का प्रयोग करते हैं जैसे कि रंग, गति,आकृति व बनावट
- अपनी आवाज़ों व सामानों और उपकरणों के साथ काम करते हैं जैसे कि, वस्त्र, कठपुतलियां व संगीत के यंत्र
- अपने व दूसरों की कला कृतियों के बारे में बात करते हैं।

कैरोलाईन स्वास्थ्य व शारीरिक शिक्षा के बारे में कैसे सीखती है

कैरोलाईन अनेक प्रकार के खेलों व गतिविधियों में भाग लेती है व अनेक प्रकार के उपकरणों के साथ हल चल अनुभव करती है जैसे कि कूदने वाली रस्सी,गोल पट्टा,बल्ले, गेंद व बीन बैग।

वह इस शिक्षण के क्षेत्र में मानकों की उपलब्धि प्राप्त करने के लिए निम्न द्वारा काम करती है :

- कई प्रकार की मौलिक पेशीय निपुणताओं का विकास करके जैसे कि उछलना, कूदना, फैंकना, पकड़ना व संतुलन बनाना
- अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से शारीरिक गतिविधियों में भाग लेकर जैसे कि तेज चलना, सक्रिय खेल, तैरना, नृत्य व खेलें
- शारीरिक गतिविधियों के प्रति अपनी गति व भावनात्मक अनुभव बताकर
- शारीरिक गतिविधियों में नियमों का पालन कर व उपकरणों को सुरक्षात्मक ढंग से साझा कर।

स्कूल में कक्षा 1 और 2

तालिका 3: कक्षा 1 और		विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस			
शारीरिक,व्यक्तिगत व सामाजिक शिक्षण		विषय-आधारित शिक्षण			अंतःशास्त्रीय शिक्षण
स्वास्थ्य व शारीरिक शिक्षा	अंतर्वैयक्तिक विकास	कला	अंग्रेज़ी	गणित	सूचना व संचार प्रौद्योगिकी

कक्षा 1 और 2 में प्रेप में सीखे गए मौलिक ज्ञान व कौशलों का विकास किया जाता है। जैसे जैसे बच्चों का विश्वास बढ़ता जाता है, उनकी मित्रताऐं सुदृढ़ हो जाती हैं। वे पढ़ाई में और अधिक व्यस्त हो जाते हैं और अनेक प्रकार के चुनौतीपूर्ण शिक्षण अनुभवों को झेलने में सक्षम हो जाते हैं।

कक्षा 1 और 2 में शिक्षण के छः क्षेत्रों में मानक निर्धारित किए गए हैं (तालिका 3 उन क्षेत्रों को दिखाती है जिनमें इन वर्षों में मूल्यांकन व रिर्पोट के लिए मानक निर्धारित किए गए हैं) इन वर्षों में सूचना व संचार प्रौद्योगिकी (ICT) व अंतर्वैयक्तिक विकास के मानक शुरू कराए जाते हैं।

विद्यार्थियों का कक्षा का कार्य साक्षरता, अंकज्ञान, स्वास्थ्य व शारीरिक शिक्षा और कला में केन्द्रित होना जारी रहता है। उन्हें शिक्षण के अन्य क्षेत्रों में भी शिक्षण अनुभव प्राप्त होंगे। विद्यार्थियों के आस पास की दुनिया की समझ और आगे बढ़ती रहती है जैसे जैसे उन्हें घटनाओं, लोगों व विज्ञान, इतिहास व भूगोल के विचारों के बारे में परिचय दिया जाता है।

बच्चे कक्षा 1 और 2 में अपनी पढ़ाई का विकास व और स्वयं अधिक नियंत्रण लेते हैं, अपने सहपाठियों के साथ काम करते हैं व शारीरिक कौशल विकसित करते हैं। वे स्कूल के बाहर की दुनिया के बारे में और अधिक जानकार हो जाते हैं।

कक्षा 1 और 2 में शिक्षण के विशेष क्षेत्रों के मानक निम्न उदाहरणों में दर्शाये गए हैं।

अंग्रेज़ी

जैसे जैसे विद्यार्थी मानकों की उपलब्धि के लिए कार्य करते हैं, वैसे वैसे वे पढ़ने में ज़्यादा समय लगाते हैं और ऐसा स्वतंत्र रूप से करना शुरू करते हैं। ऐसा करते हुए वे मानकों की प्राप्ति निम्न द्वारा करते हैं :

- कहानी की पुस्तकों से लेकर कथेतर साहित्य के शीर्षकों वाली अनेक प्रकार की पुस्तकें पढ़ कर
- कविता पढ़ना शुरू कर के
- ध्वनियों का उचित रूप से अनेक प्रकार के अक्षरों, अक्षर-समूहों व नमूनों के साथ मिलान कर
- शब्दावली व वाक्य खंडों के प्रयोग द्वारा क्रमवार विचारों को दुबारा बता कर
- कहानियों के सुखद अंत की भविष्यवाणी कर व पात्रों की भावनाओं का अनुमान कर के
- शब्दों व उनके प्रयोग की स्पष्ट समझ का विकास करके।

विद्यार्थी अपने सहपाठियों के साथ व परिवार के साथ अपने विचार बांटना जारी रखते हैं, हिज्ज़ों की जांच करते रहने की समझ रखते हैं व समूह वार्ता में विश्वास विकसित करते रहते हैं।

स्कूल में कक्षा 1 और 2

गणित

विद्यार्थी लगातार अपने गणितज्ञान को बढ़ाते रहते हैं। वे कक्षा में व घर दोनों में ही सामान्य वस्तुऐं व माप जैसे कि पैसे, लम्बाई, समय और तापमान का प्रयोगकर मापने की बेहतर समझ विकसित करते हैं।

संख्याऐं लगातार केन्द्र का विषय होती हैं और विद्यार्थी 2 व 4 की गिनती और 1, 10 और 100 द्वारा 1000 तक की गिनती करने जैसे कौशल सीखते हैं।

गतिविधियों में अक्सर आसान गुणा, भाग व इनका जमा व घटा से रिश्ता करना शामिल होता है। विद्यार्थियों को गणक यंत्र (केल्कुलेटर) पर संख्याए डालने व पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वे दिमागी अंकगणित करते हैं व अनुमान व आसान संख्याओं के वाक्य व समीकरणों की केल्कुलेटर पर भी जांच करते हैं।

कला व अंतर्वैयक्तिक विकास

विद्यार्थी कला क्षेत्रों में मित्रों के साथ काम करते हैं, उदाहरण के लिए कला,नृत्य,नाटक,मीडिया व संगीत। नाटक की गतिविधियों में वे गतिविधियां शामिल हो सकती हैं जिनमें स्वांग व मुखौटों द्वारा वास्तविक व काल्पनिक पात्रों की कहानियां बताई जाती हैं। कला में हो सकता है कि वे अपने नाटक कार्य के साथ एक स्लाईड प्रदर्शन बनाऐं।

जैसे - जैसे विद्यार्थी कला में मानकों की उपलब्धि के लिए कार्य करते हैं वे निम्न में अपनी क्षमताऐं विकसित करते हैं :

- प्रदर्शन व दृश्य कलाकृतियों द्वारा अपने विचार प्रकट करना
- विभिन्न सामान,उपकरण व तकनीकी का प्रयोग करना
- दूसरों के साथ निर्णय लेना।

विद्यार्थी संगीत वाद्ययोगों में शामिल हो सकते हैं और विभिन्न संस्कृतियों के कार्यों का अन्वेषण कर सकते हैं।

स्वास्थ्य व शारीरिक शिक्षा

पढ़ाई कक्षा के कमरे तक ही सीमित नहीं होती। छोटे बच्चे अनेक प्रकार की गतिविधियों में भाग लेते हैं जैसे कि गेंद के खेल, समूह के खेल और तैराकी, जो उनकी शारीरिक गतिविधियों में विश्वास बढ़ाती है।

स्पष्ट मानकों का अर्थ है कि वे सुरक्षित गतिविधियां पूरी करते हैं जिन्में वे निम्न सीखते हैं:

- मूलभूत पेशीय कौशल
- गति व दिशा को कैसे बदलना है
- उपकरणों के सुरक्षित प्रयोग व खेल के नियमों के बारे में
- शारीरिक गतिविधि और स्वास्थ्य के बीच के संबंध के विषय मे।

मिच्चल सूचना व संचार प्रौद्योगिकी के बारे में कैसे सीखता है

मिच्चल ICT का प्रयोग, शिक्षण के सभी क्षेत्रों में नये ज्ञान व कलाओं को प्राप्त करने व अपनी समझ को प्रस्तुत करने के लिएकरता है। उदाहरण के लिए, गणित में, मिच्चल विभिन्न द्विविमआकृतियों (जैसे कि आयताकार व त्रिभुज) को बनाने व जोड़ने के लिए करता है। ICT कार्यों का प्रयोग कर वह इन आकृतियों की नकल करता है, समतल से व लम्बरूप से नकल करता व पलटता है और उनमें रंग भर कर वास्तविक व परिवर्तित आकृतियों को इक्ठे दिखाता है।

मिच्चल भोजन के पिरामिड खेल में भाग लेने के लिए मल्टीमीडिया साधन जैसे कि वेबसाईट या CD-ROM का प्रयोग करता है और फिर भोजन-समूहों की अपनी समझ को एक स्लाईड प्रदर्शन द्वारा प्रस्तुत करता है जिसमें भोजन की उचित वस्तुओं से भरे एक रोटी के डिब्बे का प्रतिबिम्ब होता है।

वह मानकों की पूर्ति निम्न द्वारा करता है:

- विषय वाक्यों व प्रतिबिम्बों को जोड़-तोड़ कर
- एक फ़ाईल को बचा कर व उसे नाम दे कर
- किसी उत्पाद की रचना कर व उसे बाह्यरूप देकर
- जानकारी ढूंढने के लिए ICT का प्रयोग करके।

स्कूल में कक्षा 3 और 4

तालिका 4: कक्षा 3 और 4				विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस							
शारीरिक,व्यक्तिगत व सामाजिक शिक्षण				विषय-आधारित शिक्षण					अंतःशास्त्रीय शिक्षण		
स्वास्थ्य व शारीरिक शिक्षण	अंतर्वैयक्तिक विकास	व्यक्तिगत शिक्षण	नागरिक शास्त्र व नागरिकता	कला	अंग्रेज़ी	मानविकी	गणित	विज्ञान	डिज़ाईन, सृजनात्मकता व प्रौद्योगिकी	सूचना व संचार प्रौद्योगिकी	तर्कशक्ति प्रक्रियाएँ

कक्षा 3 व 4 में बच्चे स्कूल, घर व समुदाय के बीच के रिश्ते की गहरी समझ विकसित करते हैं। वे अधिक लंबे समय तक कार्यो पर ध्यान देने में सक्षम होते जा रहे हैं। बच्चों को घर में व कक्षा के कमरे में आत्मविश्वास के साथ विचारों पर बातचीत करने, मत प्रकट करने व दूसरों को सुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

कक्षा 3 व 4 में शिक्षण के बारह क्षेत्रों में मानक निर्धारित किए गए हैं (तालिका 4 में उन क्षेत्रों को दिखाया गया है जिनमें इन वर्षों में मूल्यांकन व रिर्पोट के लिए मानक निर्धारित किए गए हैं)।

बच्चे अपना ज्ञान विस्तृत करते हैं और विस्तृत प्रकार की घटनाओं व अपने आस-पास के लोगों में रूचि दिखाते हैं। मानकों को अतिरिक्त क्षेत्रों में भी शुरू कराया जाता है जैसे कि निजी शिक्षण, तर्क शक्ति प्रक्रियाऐं, मानविकी, विज्ञान, नागरिक शास्त्र व नागरिकता और डिज़ाईन,सृजनात्मकता व प्रौद्योगिकी। विद्यार्थी शिक्षण के अन्य क्षेत्रों से भी शिक्षण के अनुभव प्राप्त कर सकते हैं जैसे कि अंग्रेज़ी के अतिरिक्त भाषाऐं। विद्यार्थी प्रारंभिक वर्षों में विकसित किए गए ज्ञान व कौशल को बढ़ाना जारी रखते हैं।

कक्षा 3 और 4 में शिक्षण के विशेष क्षेत्रों के मानक निम्न उदाहरणों में दर्शाये गए हैं।

अंग्रेज़ी

अंग्रेज़ी के कौशल को शिक्षण के सभी क्षेत्रों में व्यवहार में लाया जाता है और इसमें शामिल हैं :

- अनेक प्रकार के सामान के प्रति अपने अनुभव प्रकट करना जिनमें कल्पनात्मक कहानियां व सूचनात्मक मूलपाठ शामिल हैं
- अपनी शब्दावली बढ़ाना जैसे-जैसे कहानियों व सूचनात्मक मूलपाठों की समझ बढ़ती जाती है
- मूलपाठों (texts) से मुख्य जानकारी निर्धारित करने, चुनने व रिकार्ड करने की रणनीतियों का प्रयोग करके
- तथ्यों व प्रमाण के साथ विचार प्रकट करना व उनका समर्थन करना
- वाक्य बनाने की समझ और अनेक विराम चिन्हों का प्रयोग करना, उदाहरण के लिए विस्मयादि बोधक चिन्ह व उद्धरण चिन्ह।

गणित

इन वर्षों में गणित के मानकों में निम्न शामिल हैं :

- आम त्रिविम आकृतियों को पहचानना व उनको नाम देना जैसे कि गोले,प्रिज़्म और पिरामिड; नक्शों व रेखाचित्रों पर स्थान निर्धारित करना व पहचानना

स्कूल में कक्षा 3 और 4

- उचित यंत्रों का प्रयोग करके लंबाई,क्षेत्र,आयतन,क्षमता,पिंड व समय का अनुमान लगाना व मापना; प्रतिदिन की घटनाओं की संभावना की तुलना करना
- दिमागी व लिखित संख्याओं के कौशल को प्रतिदिन के संदर्भ जैसे कि खरीदारी आदि में लागू करना।

सूचना व संचार प्रौद्योगिकी व व्यक्तिगत शिक्षण

कक्षा 4 के अंत तक बच्चों ने सूचना व संचार प्रोद्योगिकी (ICT) में कुशलता प्राप्त कर ली होती है। मानकों में निम्न की क्षमता शामिल हैं:

- एक इलेक्ट्रोनिक फ़ोल्डर बनाना
- विश्वस्तता से ईमेल का प्रयोग करना
- प्रस्तावित खोज इंजनों (search engines) का प्रयोग करना।

बच्चों को इलेक्ट्रोनिक तरीके से प्राप्त सूचना का मूल्यांकन करने व उसकी उपयोगिता पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

मानविकी

मानविकी में विद्यार्थियों को अपने स्कूल,समुदाय व विस्तृत समाज में विभिन्न प्रकार के लोगों, संस्कृतियों, राष्ट्रियताओं व धर्मों की अधिक समझ हो जाती है। वे इस मौलिक समझ का विकास करते हैं कि हमारा लोकतंत्र कैसे काम करता है और इसमें कानून व नियमों का औचित्य क्या है। वे प्रतीकों का वर्णन करते हैं और अपनी पृष्ठभूमि विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण घटनाओं, अपने समुदाय व ऑस्ट्रेलिया के सामान्य जीवन जैसे कि एन्ज़ेक दिवस का वर्णन करते हैं।

कला

कला के शिक्षण में कोई कला क्षेत्र शामिल हो सकता है (जैसे कि दृश्य कला) या कला के विषयों का संमिश्रण (जैसे कि, नृत्य व संगीत)। सभी विद्यार्थियों का प्रदर्शन व दृश्यकला दोनों में ही मूल्यांकन मानकों के अनुसार होगा।

सोफ़ी विज्ञान व डिज़ाईन,रचनात्मकता व प्रौद्योगिकी के बारे में कैसे सीखती है ?

कक्षा 3 व 4 में, विज्ञान सोफ़ी के शिक्षण कार्यक्रम का एक स्पष्ट हिस्सा बन जाता है। वह ज्ञान व कौशल का विकास करती है जो उसे मानकों की उपलब्धि के लिए योग्य बनाता है। विज्ञान में मानकों के उदाहरणों में शामिल हैं :

- पौधों व जानवरों की संरचना की खोज
- दूसरों के साथ जाँच - पड़ताल करना व अनुभवों की रिर्पोट देना जैसे कि द्रव्यों में परिवर्तन
- वस्तुओं का वर्गीकरण करना सीखना जैसे कि कीड़े-मकोड़े व पक्षी
- इस बात का विचार करना कि लोग अपने वातावरण को कैसे प्रभावित करते हैं।

डिज़ाईन, सृजनात्मकता व प्रौद्योगिकी में सोफ़ी आसान तकनीकी वस्तुओं की जांच करना, डिज़ाईन करना व एक उत्पाद बनाने के लिए विभिन्न चीज़ों को इकट्ठा करना भी सीखती है जैसे कि किसी वज़न को उठाने के लिए घिरनी का प्रबन्ध। वह निम्न द्वारा मानको की पूर्ति करती है :

- डिज़ाईन के विचारों को रेखांकित कर व लेबिल लगा कर
- किसी उत्पाद को बनाने की योजना करके
- औजारों व उपकरणों के प्रयोग द्वारा सुरक्षित रूप से उत्पाद बना कर
- उत्पाद का परीक्षण व मूल्यांकन कर।

अचीवमेंट इम्प्रूवमेंट मॉनीटर (AIM)

कक्षा 3 में विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस के अनुसार प्रगति पर अतिरिक्त ध्यान रखा जाता है। राज्य भर में विद्यार्थी नए मानकों पर आधारित AIM की अंग्रेज़ी व गणित की परीक्षाऐं पूरी करते हैं। AIM के परिणाम स्कूल द्वारा प्रयोग किए गए मूल्यांकन साधनों सहित विद्यार्थियों की प्रगति के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करते हैं।

स्कूल में कक्षा 5 और 6

तालिका 5: कक्षा 5 और 6				विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस												
शारीरिक,व्यक्तिगत व सामाजिक शिक्षण				विषय-आधारित शिक्षण									अंतःशास्त्रीय शिक्षण			
स्वास्थ्य व शारीरिक शिक्षण	अंतर्वैयक्तिक विकास	व्यक्तिगत शिक्षण	नागरिक शास्त्र व नागरिकता	कला	अंग्रेज़ी	मानविकी – अर्थशास्त्र	मानविकी – इतिहास	मानविकी – अर्थशास्त्र	अंग्रेज़ी के अतिरिक्त भाषाएँ	गणित	गणित	विज्ञान	संव्यवहार	डिजाईन, सृजनात्मकता व प्रौद्योगिकी	तर्कशक्ति प्रक्रियाएँ

स्कूल व घर में बच्चों को यह सुनिश्चित करने में सहयोग दिया जाता है कि प्राथमिक स्कूल के अंतिम दो वर्ष सकारात्मक चुनौतीपूर्ण हैं और वे स्वयं के प्रति व अपनी पढ़ाई के प्रति अपने विश्वास का सुधार करते हैं।

कक्षा 5 और 6 में शिक्षण के सभी क्षेत्रों में मानक हैं। तालिका 5 में उन क्षेत्रों को दर्शाया गया है जिनमें इन वर्षों में मूल्यांकन व रिर्पोट के मानक निर्धारित किए गए हैं। कक्षा 10 के अंत तक इन सभी क्षेत्रों में मानक निर्धारित होते रहते हैं। इस तरह से विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस द्वारा विद्यार्थी के प्राथमिक व माध्यमिक वर्षों को जोड़ा जाता है। एक समान पाठ्यक्रम के ढांचे के साथ प्राथमिक व माध्यमिक स्कूल मिल कर काम कर रहे हैं।

यह वह समय है जब स्कूल, विद्यार्थियों को अपने शिक्षण के प्रति उत्तर दायित्व लेने व अपनी निजी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के बहुत से अवसर प्रदान करते हैं।

सभी बच्चे एक ही समय में एक जैसे मानकों की उपलब्धि नहीं कर पाते; कुछ को अपने शिक्षण कार्यक्रम के कुछ हिस्से दूसरों की अपेक्षा अधिक चुनौतीपूर्ण लगेंगे। अध्यापक व माता पिता इकट्ठे मिल कर बच्चों को उपलब्धि में सहायता के लिए मानकों के प्रयोग से सर्वोचित शिक्षण पद्धतियों का विकास कर सकते हैं।

कक्षा 5 और 6 में शिक्षण के विशेष क्षेत्रों के मानक निम्न उदाहरणों मेंदर्शाये गए हैं।

अंग्रेज़ी

कक्षा 5 व 6 में बच्चे विभिन्न प्रकार के अनेकों मूलपाठ पढ़ते हैं जिनमें कहानियां',उपन्यास व कविताऐं शामिल हैं। जैसे – जैसे उनका अंग्रेज़ी कौशल सुदृढ़ होता है वैसे – वैसे उनकी पढ़ने के अन्य सामान समझने की क्षमता का विकास होता है। वे तालिकाओं को पढ़ते हैं, रेखाचित्रों का प्रयोग करते हैं और कम्पयूटर पर आधारित सूचना का विश्लेषण करते हैं।

परियोजनाओं, खोज व कहानियों में दिखाई जा रही, लिखने व बोलने की निपुणताऐं ये दर्शाती हैं कि विद्यार्थी और अधिक जटिल विचारक होते जा रहे हैं और मूलपाठ व भाषा से संबंधित अपने शिक्षण को पुष्ट कर रहे हैं। उनके अंग्रेज़ी कौशल का प्रयोग, दृश्य प्रस्तुतियों में विचारों व जानकारी को प्रस्तुत करने व उसका संपादन करने,संशोधन व कार्य विवरण देने के लिए किया जाता है, जो अन्य शिक्षण क्षेत्रों में प्राप्त मानकों को दर्शाता है।

गणित

गणित और अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है और मानक दर्शाते हैं कि विद्यार्थियों से निम्न अपेक्षाऐं हैं:

- भिन्न, दशमलव, साधारण अनुपात व प्रतिशत का प्रयोग करके बताना व गणना करना
- नक्शों में संगत स्थिति व वस्तुओं का वर्णन करने के लिए आकार, पैमाने व दिशा के निर्देशकों व संबंधों के विचारों की समझ व उनको लागू करना

स्कूल में कक्षा 5 और 6

- उचित प्रदर्शनों द्वारा विभिन्न प्रकार के और अखण्ड आंकड़ों के प्रकार को दिखाना (उदाहरण के लिए,आंखों के रंग के आंकड़ों के लिए एक पाई चार्ट) और औसतों की गणना करना
- साधारण बीजगणित के कथन व समीकरणों को बताने के लिए व उनका जोड़ तोड़ करने व सुलझाने के लिए शब्दों व प्रतीकों का प्रयोग करना
- साधारण अनुक्रमों के लिए नियम बनाना व उनका प्रयोग करना
- स्मरण कार्य युक्त निर्धारित समस्याओं को सुलझाने व दैनिक स्थितियों में केल्कुलेटर का प्रयोग करना।

मानविकी

विद्यार्थी ऑस्ट्रेलिया के बारे में सीखते हैं : इसका इतिहास,भूगोल, अर्थव्यवस्था,सरकार,परम्पराऐं व संस्कृतियां। वे एशिया- प्रशांत खंड के अन्य देशों के बारे में भी सीखते हैं।

विद्यार्थी कक्षा 6 के अन्त तक :

- भाषण की स्वतंत्रता का महत्व समझते हैं
- यह समझते हैं कि ऑस्ट्रेलिया एक राष्ट्र कैसे बना व इसकी बहुत सी संस्कृतियां आस्ट्रेलिया की पहचान में कैसे योगदान देती हैं
- स्थानों की स्थिति का वर्णन करने के लिए एटलस व गली निर्देशिकाओं (स्ट्रीट डॉयरेक्ट्री) का प्रयोग करते हैं
- पर्यावरण की देखभाल के तरीकों को व्यवहार में लाते हैं
- सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेते हैं
- एक सूचना प्राप्त उपभोक्ता बनने की आवश्यकता के बारे में सीखते हैं।

संव्यवहार

शिक्षण का संव्यवहार क्षेत्र विद्यार्थियों को यह समझने में मदद देता है कि भाषा व तर्कशक्ति हर विषय में अलग अलग होती है। इस क्षेत्र में ज्ञान व कौशल विद्यार्थियों के लिए मानकों के अन्य क्षेत्रों में जानकारी व समझ प्रकट करने में सहायक होते हैं।

खाई के शिक्षण अनुभव

इन वर्षों में खाई अपनी सोच का कौशल विकसित करना, तर्क करने की क्षमता व इन विषयों पर पूछताछ करना जारी रखता है।

वह किसी मुद्दे या विषय पर सोचने में अधिक विश्वस्त होता जा रहा है और वातावरण के मामलें से लेकर स्थानीय क्रीड़ाक्षेत्र को सुधारने जैसे संदर्भों में कल्पनात्मक हल ढूंढ रहा है।

उसने सुदृढ़ मित्रताऐं बनाने की व अनेक प्रकार के लोगों से सकारात्मक संबंध स्थापित करने की क्षमता विकसित कर ली है। उसे अन्य लोगों की भावनाओं की समझ है और वह मतभेद से निपटना सीख रहा है। जैसे जैसे वह बड़ा होगा अन्तर्वैयक्तिक विकास के ये कौशल और भी महत्वपूर्ण हो जाऐंगे।

खाई अंग्रेज़ी के अतिरिक्त अन्य भाषाओं (LOTE) के द्वारा विभिन्न भाषाओं व संस्कृतिओं के बारे में और अधिक सीखता है। इन वर्षों में शिक्षण के इस क्षेत्र के मानकों का परिचय कराया जाता है।

वह संस्कृति के अनुरूप व्यक्तव्य व व्यवहार द्वारा बोलचाल व लिखित भाषा को आरंभ करने व उसके उत्तर देने में सक्षम है।

कक्षा 6 के अन्त तक खाई को ये भी पता है:

- अपने को कैसे चुस्त दुरूस्त बनाए रखना है
- स्वस्थ भोजन करने के मूल भूत सिद्धांत
- यौवनारंभ में अनुभव किए जा रहे परिवर्तन।

अचीवमेंट इम्प्रूवमेंट मॉनीटर (AIM)

कक्षा 3 की तरह ही, विद्यार्थी कक्षा 5 में राज्य-भर में होने वाली AIM की अंग्रेज़ी व गणित की परीक्षाऐं पूरी करते हैं। अपनी प्राथमिक शिक्षा के अंतिम वर्ष पूरा करने से पहले AIM के परिणाम स्कूल द्वारा प्रयोग किए गए मूल्यांकन साधनों सहित इस बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करते हैं कि विद्यार्थी विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस के अनुसार कैसे प्रगति कर रहे हैं।

स्कूल में कक्षा 7 और 8

तालिका 6: कक्षा 7 व 8				विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस											
शारीरिक,व्यक्तिगत व सामाजिक शिक्षण				विषय-आधारित शिक्षण								अंतःशास्त्रीय शिक्षण			
स्वास्थ्य व शारीरिक शिक्षण	अंर्तवैयक्तिक विकास	व्यक्तिगत शिक्षण	नागरिक शास्त्र व नागरिकता	कला	अंग्रेज़ी	मानविकी – अर्थशास्त्र	मानविकी – अर्थशास्त्र	मानविकी – इतिहास	अंग्रेज़ी के अतिरिक्त भाषाएँ	गणित	विज्ञान	संव्यवहार	डिज़ाइन, सृजनात्मकता व प्रौद्योगिकी	सूचना व संचार प्रौद्योगिकी	तर्कशक्ति प्रक्रियाएँ

बहुत से किशोर / कशोरियों के लिए ये वर्ष प्राथमिक से माध्यमिक स्कूल आने में हुए परिवर्तन के साथ समझौता करने में बीतते हैं। माध्यमिक स्कूल में नए मित्र बनाने होते हैं, नए नियम व नए उत्तरदायित्व सीखने होते हैं, नई पुस्तकें पढ़नी होती हैं. नई वर्दी की आवश्यकताऐं व नई चुनौतियां होती हैं।

कक्षा 7 व 8 में शिक्षण के सभी क्षेत्रों में मानक हैं। ये वही शिक्षण क्षेत्र हैं जो कक्षा 5 व 6 में थे। तालिका 6 में उन क्षेत्रों को दर्शाया गया है जिनमें इन वर्षों में मूल्यांकन व रिर्पोट के मानक निर्धारित किए गए हैं।

युवा अब और अधिक परिपक्व होते जा रहे हैं। माध्यमिक स्कूल में जाना अक्सर पहचान के प्रति गहरी जागरूकता अधिक अनुभव से जुड़ा होता है। शिक्षण के प्रति उनका दृष्टिकोण अक्सर उनके अपने निजी लक्ष्यों से जुड़ा होता है जिन्हें वे महत्त्वपूर्ण समझते हैं। माता पिता अपने बच्चों को यह सोचने में सहायता कर सकते हैं कि इस नए वातावरण में जाने का अर्थ क्या है और नई चुनौतियों से टकराने पर, वे उन्हें समर्थन दे सकते हैं।

कक्षा 7 व 8 में शिक्षण के विशेष क्षेत्रों के मानक निम्न उदाहरणों में दर्शाये गए हैं।

अंग्रेज़ी

अंग्रेज़ी में अपेक्षित मानकों में निम्न शामिल हैं :

- एक तर्क को लिखना व उस पर निजी स्थिति को परिभाषित करना
- सही हिज्जे, व्याकरण व विराम चिन्हों का प्रयोग करना
- दूसरों द्वारा बोली जा रही भाषा का आलोचनात्मक मूल्यांकन करना, स्पष्टता के लिए प्रश्न पूछना व दूसरे लोगों को सुनते समय महत्त्वपूर्ण विचारों को पहचानना
- अनेक प्रकार के मूलपाठों के प्रति उत्तर देना जो जाने पहचाने व चुनौतीपूर्ण विषय वस्तुओं व मुद्दों का भी अन्वेषण करते हैं।

अंग्रेज़ी व संव्यवहार मानकों में विकसित किए गए ज्ञान, कौशल व व्यवहार का प्रयोग, शिक्षण के अन्य क्षेत्रों में भी किया जाता है, जैसे कि विज्ञान व इतिहास में मौखिक प्रस्तुतियों व वाद-विवाद के लिए।

गणित

गणित में अपेक्षित मानकों में निम्न शामिल हैं :

- वर्गों व संख्याओं का वर्गफ़ल निकालते हुए पूर्ण वर्गों के ज्ञान का प्रयोग
- विशेष विवरणों के अनुसार द्विविम व साधारण त्रिविम आकृतियां बनाना
- प्रिज़्मों व सिलेंडरों के क्षेत्रफल व परिमाण की गणना करना
- तालिकाओं,ग्राफ़ों व प्रतिलोम क्रियाओं द्वारा साधारण समीकरण सुलझाना।

स्कूल में कक्षा 7 और 8

मानविकी व निजी शिक्षण

इतिहास में परिवर्तन व निरंतरता की धारणाऐं विकसित की जाती हैं। मानक प्राचीन व मध्यकाल की मुख्य घटनाओं के विश्लेषण पर केन्द्रित होते हैं, जिनमें शामिल हैं :

- सामुदायिक जीवन के लक्षण
- समाजों में कैसे व किसके द्वारा शासन किया जाता था
- ऐतिहासिक जानकारी के स्त्रोतों की मज़बूतियां व कमज़ोरियां।

इसी प्रकार,भूगोल में एशिया-प्रशांत खंड का अध्ययन, विद्यार्थियों के स्थान, अर्थशास्त्र व समुदायों व देशों के सामाजिक और सांस्कृतिक लक्षणों के ज्ञान को बढ़ाता है।

विद्यार्थी समाकलित परियोजनाऐं आरंभ करते हैं जिनका केन्द्र बिन्दु, उदाहरण के लिए खेल के अवसरों या प्राकृतिक आपदाओं पर होता है और शिक्षण के अनेक क्षेत्रों में मेल बना कर अपने ज्ञान को सुदृढ़ करते हैं।

ये पढ़ाईयां विद्यार्थियों को निम्न में सहायता करती हैं :

- खोज विकसित करने में और अपने तर्कशक्ति कौशल को विकसित करने में
- विकसित होते मतों का परीक्षण करने में।

विद्यार्थी कम समय व अधिक समय की समय रेखाओं में अपनी गतिविधियां पूरी करने के लिए योजनाओं को विकसित व लागू करते हैं। वे अपनी प्रगति व उपलब्धियों का वर्णन करते हैं, यह बताते हुए कि शिक्षण में कैसे सुधार हो सकता था। विद्यार्थी अपनी आवश्यकता अनुसार अपने शिक्षण के तरीकों को भी विकसित करते हैं।

भाषाऐं

इस समय अंग्रेज़ी के अतिरिक्त अन्य भाषाओं (LOTE) में दो रास्ते पेश किए जाते हैं। विद्यार्थी एक रास्ता चुनेंगे यदि वे उसी भाषा को सीखना जारी रखें जो उन्होंने प्राथमिक स्कूल में पढ़ी थी। वे दूसरा रास्ता लेंगे यदि वे कोई नई भाषा सीखना शुरू करते हैं। चाहे कोई भी रास्ता चुना गया हो, मानकों का संगठन विद्यार्थियों को भाषा की पहचान व सांस्कृतिक समझ विकसित करने के लिए प्रगतिशील व संचित अवसर प्रदान करने के लिए किया जाता है।

जोश का डिज़ाईन, सृजनात्मकता और प्रौद्योगिकी व अंतर्वैयक्तिक विकास में शिक्षण का अनुभव

जोश की कक्षा वातावरण पर केन्द्रीभूत है। विद्यार्थी दलों में एक पक्षी को दाना खिलाने वाले पात्र का डिज़ाईन कर रहे हैं व उसका मूल्यांकन कर रहे हैं जिसमें पुनः इस्तेमाल किए गए सामान हैं। जिस डिज़ाईन प्रक्रिया का अनुसरण जोश कर रहा है उसमें पक्षी को दाना खिलाने वाले पात्र को बनाने के विभिन्न चरणों पर मानकों पर पूरा उतरना शामिल है। मानक उन चरणों को पहचानते हैं जिनका अनुसरण जोश व उसका दल कर रहा है।

दल में जोश :

- स्थानीय पक्षियों, पक्षी को दाना खिलाने वाले पात्रों व सामानों के बारे में शोध के प्रश्न विकसित करता है
- अपने शोध को दूसरों के साथ सांझा करता है
- पक्षी को दाना खिलाने वाले पात्र के डिज़ाईन के लेबिल लगे रेखाचित्र बनाता है
- पक्षी को दाना खिलाने वाले पात्र के बन जाने पर उसके मूल्यांकन के लिए मानदंड विकसित करता है
- दाना खिलाने वाले पात्र के उत्पाद के लिए कड़ीबद्ध योजना बनाता है।

दाना खिलाने वाला पात्र बनाते हुए, जोश :

- उत्पाद को बनाते समय औज़ारों व यंत्रों का सुरक्षित रूप से प्रयोग करता है
- प्रगति पर पुनर्विचार करता है और ज़रूरत पड़ने पर परिवर्तन करता है
- पक्षी को दाना खिलाने वाले पात्र के मूल्यांकन को तैयार कर कक्षा में प्रस्तुत करता है
- इस बात पर पुनर्विचार करता है कि दल ने कितना अच्छा कार्य किया और क्या सुधार हो सकते थे।

अचीवमेंट इम्प्रूवमेंट मॉनीटर (AIM)

विद्यार्थी कक्षा 7 में राज्य-भर में होने वाली AIM की अंग्रेज़ी व गणित की परीक्षाऐं पूरी करते हैं। जैसे ही विद्यार्थी अपनी माध्यमिक शिक्षा के दूसरे वर्ष में प्रवेश करते हैं AIM के परिणाम स्कूल द्वारा प्रयोग किए गए मूल्यांकन साधनों सहित इस बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करते हैं कि विद्यार्थी विक्टोरियन एसेन्शियल लर्निंग स्टैंडर्डस के अनुसार कैसे प्रगति कर रहे हैं।

स्कूल में कक्षा 9 और 10

तालिका 7: कक्षा 9 और 10				विक्टोरियन एसेन्शियल लर्निंग स्टैंडर्डस												
शारीरिक,व्यक्तिगत व सामाजिक शिक्षण				विषय-आधारित शिक्षण									अंतःशास्त्रीय शिक्षण			
स्वास्थ्य व शारीरिक शिक्षण	अंतर्वैयक्तिक विकास	व्यक्तिगत शिक्षण	नागरिक शास्त्र व नागरिकता	कला	अंग्रेज़ी	मानविकी – अर्थशास्त्र	मानविकी – भूगोल	मानविकी – इतिहास	अंग्रेज़ी के अतिरिक्त भाषाएँ	गणित	विज्ञान	संव्यवहार	डिज़ाईन, सृजनात्मकता व प्रौद्योगिकी	सूचना व संचार प्रौद्योगिकी	तर्कशक्ति प्रक्रियाएँ

कक्षा 9 व 10 तक युवा लोग अपनी विशेष रूचि के क्षेत्र में अधिक स्पष्ट रूप से ध्यान देना शुरू कर देते हैं और उनके कुछ विचार होते हैं कि स्कूल की समाप्ति पर वे किस दिशा में जाना चाहेंगे। इसमें अक्सर विचारों का परीक्षण करना व कक्षा के कमरे से बाहर की दुनिया का स्वाद चखना शामिल होता है। विद्यार्थियों का जीवन बहुत व्यस्त हो सकता है।

कक्षा 9 व 10 में शिक्षण के सभी क्षेत्रों में मानक होते हैं। ये वही शिक्षण के क्षेत्र होते हैं जैसे कि कक्षा 5 से 8 में थे। तालिका 7 में उन क्षेत्रों को दर्शाया गया है जिनमें इन वर्षों में मूल्यांकन व रिर्पोट के मानक निर्धारित किए गए हैं।

युवा लोग अपने स्कूल के अंतिम वर्षों की दिशा की योजना आरंभ करदेते हैं। यह वह समय है जब वे उन शिक्षण के क्षेत्रों में ध्यान लग ते
हैं जिनमें वे जानते हैं कि वे अच्छे चल रहे हैं। वे इस बात को सुनिश्चित करने में ध्यान लगाते हैं कि शिक्षण के कई क्षेत्र अच्छी तरह से स्थापित हों जैसे जैसे वे कक्षा 11 व 12 या कार्य क्षेत्र के लिए अपने रास्ते के विकल्पों को परखते हैं।

ये वर्ष स्कूल, घर, अंश- कालिक कार्य, खेल और / या सामुदायिक गतिविधियों, मित्रताओं व योजनओं का संतुलन करने के बारे में भी हैं। कक्षा 10 में,विद्यार्थियों के पास विक्टोरियन सर्टिफ़िकेट ऑफ़ एजूकेशन (VCE) के विषय लेने या वोकेशनल एजूकेशन एंड ट्रेनिंग (VET) कार्यक्रम शुरू करने का विकल्प भी हो सकता है। अन्य विद्यार्थी प्रतीक्षा करने का निर्णय भी ले सकते हैं और कक्षा 11 में अपनी VCE या VET की पढ़ाई शुरू कर सकते हैं।

कक्षा 10 के अंत तक विद्यार्थियों को और भी अधिक स्पष्ट हो जाता है कि वे VCE का रास्ता चुनना चाहते हैं या विटोरियन सर्टिफ़िकेट ऑफ़ एप्लाईड लर्निंग (VCAL) का। वे स्कूल के उच्चतर माध्यमिक चरण पर इस विश्वस्तता से पहुंचते हैं कि उनके पास सफ़लता के लिए ज़रूरी अनेक प्रकार के कौशल उपलब्ध हैं।

कक्षा 9 व 10 में शिक्षण के विशेष क्षेत्रों के मानक निम्न उदाहरणों में दर्शाये गए हैं।

अंग्रेज़ी

अंग्रेज़ी में मानक निम्न द्वारा प्राप्त किए जाते हैं :

- उन शास्त्रीय व आधुनिक मूलपाठों को पढ़ कर व उनका विश्लेषण कर जो निजी व सामाजिक महत्त्व के विषयों की खोज करते हैं
- उचित विराम चिन्हों, अनेक प्रकार की वाक्य संरचनाओं व प्रभावी भाषा की तकनीक द्वारा जटिल विचारों, विषय वस्तुओं व मुद्दों के बारे में लिखना
- अनेक प्रकार की स्थितियों में जटिल विषय वस्तुओं से निपटने के लिए बोलचाल की भाषा के लक्षणों का प्रभावी तरीके से प्रयोग कर के।

गणित

गणित के कौशलों में और अधिक निखार आता है और इनमें शामिल हैं :

- घन पूर्णांक, पूर्णांक, परिमेय व अपरिमेय पूर्णांकों द्वारा दिमागी, लिखित व प्रौद्योगिक की मदद से गणना करना

स्कूल में कक्षा 9 और 10

- स्थितियों के मॉडल बनाने व समस्याओं के समाधान के लिए बीजगणित क्रियाओं व ग्राफ़ का प्रयोग करना
- दैनिक जीवन के कार्य में परिष्कृत गणनाओं व रचनाओं के लिए प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना
- किसी जनसंख्या से नमूनों के लिए संक्षिप्त आंकड़ों की गणना व उनकी व्याख्या करना।

हेलन के शिक्षण अनुभव

हेलन का स्कूल 'हमें हंसाओ' की एक समाकलित यूनिट पेश कर रहा है। यह यूनिट कॉमेडी के विषयों, प्रदर्शन व समाज के सामने आए मुद्दों के विषयों का प्रयोग करके इतिहास, नाटक व स्वास्थ्य व शारीरिक शिक्षा को साथ में लाता है।

यह यूनिट निम्न में उपलब्धियां विकसित करती हैं :

- शोध व समूह कार्य
- लेखन, संपादन व प्रस्तुतिकरण।

इसमें बहुत मेहनत की आवश्यकता है और कई कौशल सिखाता है। इस तरह की समाकलित पद्धतियां और शिक्षण के दूसरे अवसर हेलन को नेतृत्व दर्शाने के अनेक मार्ग दिखाते हैं। हेलन विज्ञान में भी अपनी बढ़ती हुई रूचि को दिखाती है जहां वह एक पीरियोडिक टेबल में तत्वों के समूह के लक्षणों के विषय पर खोज कर रही है।

उसे विज्ञान के बड़े विचारों की बेहतर समझ प्राप्त होती है और वातावरण-पर्यटन व अंग - कोशिका शोध जैसे विषयों के बारे में समझ रखती है।

कक्षा 10 में कई क्षेत्रों में उसकी रूचि उसकी पढ़ाई के चुनाव को प्रभावित करती है। इसका प्रभाव वहां भी पड़ता है जहां वह कार्य अनुभव प्राप्त करती है और जिस व्यावसायिक शिक्षण कार्यक्रम का पता लगाती है। इस दौरान हेलन एक निर्मित रास्ते का चुनाव करती है लेकिन यह सुनिश्चित करती है कि उसके विकल्प खुले रहें।

जस्टिन का शिक्षण अनुभव

जस्टिन का ध्यान मानविकी व भाषाओं के प्रति हो रहा है।

वह स्थानीय व विश्वव्यापी विषयों की जांच करता है और अपने तर्क देने के लिए जानकारी की खोज करता है। जस्टिन दूसरों के विचारों के आधार पर अपने विचार बनाता है, दूसरों को अपने विचार प्रस्तुत करता है और छोटे समूहों व पूरी कक्षा में अपनी स्थिति की सफ़ाई पेश करता है।

चीनी भाषा में जिसे उसने कक्षा 7 से शुरू किया था, अपनी वास्तविक रूचि का प्रदर्शन कर, जस्टिन ने :

- चीनी भाषा की व्याकरण में अच्छी समझ प्रदर्शित की है
- वह चयन किए गए छोटे मूलपाठों को धाराप्रवाह में पढ़ सकता है
- उसमें मूलपाठ को ऊंची आवाज़ में पढ़ने का साहस है
- वह अपने व अपनी दुनिया के बारे में चीनी भाषा में बातचीत कर सकता है।

अब अर्थशास्त्र में उसकी रूचि झलकने लगी है। वह बाज़ारों, सरकारी नीति व आर्थिक बढ़ोतरी के बारे में और अधिक सीखता है। उसे कीमत - लाभ विश्लेषण के अर्थ की अच्छी समझ है। वह बेरोज़गारी जैसी आर्थिक समस्या की जांच पड़ताल करने की अपनी क्षमता के समर्थन हेतु अपने ऐतिहासिक घटनाओं के ज्ञान का प्रयोग कर सकता है। वह अपनी सूचना व संचार प्रौद्योगिकी के कौशल का प्रयोग अपनी समझ को दर्शाने व दूसरों को शामिल करने के लिए करता है।

अचीवमेंट इम्प्रूवमेंट मॉनीटर (AIM)

विद्यार्थी कक्षा 9 में राज्य-भर में होने वाली AIM की अंग्रेज़ी व गणित की परीक्षाऐं पूरी करते हैं। माध्यमिक शिक्षा के अंतिम वर्ष शुरू करने से पहले AIM के परिणाम स्कूल द्वारा प्रयोग किए गए मूल्यांकन साधनों सहित इस बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करते हैं कि विद्यार्थी विक्टोरियन एसेन्शयल लर्निंग स्टैंडर्डस के अनुसार कैसे प्रगति कर रहे हैं।

Victorian Essential Learning Standards

माता पिता और अधिक जानकारी कैसे प्राप्त कर सकते हैं ?

- अपने बच्चे के स्कूल से संपर्क करें।
- मानकों की वेबसाईट **http://vels.vcaa.vic.edu.au** पर जाऐं
- VCAA को (03) 9651 4544 पर फ़ोन करें या
- 1800 134 197 पर (क्षेत्रीय स्थानों से फ़ोन करने वाले). और अधिक जानकारी के लिए :
  - सरकारी स्कूलों की रूपरेखा के लिए **www.sofweb.vic.edu.au/blueprint/** पर जाऐं
  - अचीवमेंट इम्प्रूवमेंट मॉनीटर (AIM) के लिए **ww.vcaa.vic.edu.au** पर जाऐं
  - विद्यार्थियों की रिर्पोट के लिए **www.sofweb.vic.edu.au/studentreports/** पर जाऐं

माता-पिता कैसे शामिल हो सकते हैं ?

- अपने स्कूल की परिषद् या प्राध्यापक से पूछें कि आपका स्कूल इस महत्त्वपूर्ण परिवर्तन को कैसे लागू कर रहा है। उदाहरण के लिए:
  - स्कूल के कार्यक्रमों के विकास के लिए मानकों का प्रयोग कैसे किया जा रहा है ?
  - क्या विषयों का पुनर्गठन किया गया है ?
  - क्या स्कूल के संगठन में कुछ परिवर्तन हुए हैं ?
- मानकों की जानकारी के स्त्रों में जाऐं और उन तरीकों पर चर्चा करें जिनके द्वारा शिक्षण, पढ़ाई, मूल्यांकन व रिर्पोट देने में पद्धतियां परिवर्तित की गई हैं।
- अपने बच्चे के स्कूल की व AIM रिर्पोटों को पढ़ें और :
  - अपने बच्चे की प्रगति के विषय में स्कूल से बात करें
  - अपने बच्चे व स्कूल को अपने विचार बताऐं।

2007 व 2008 में किन मानकों के अनुसार रिर्पोट दी जानी है ?

2007 में, स्कूलों को आपके बच्चे की रिर्पोट अंग्रेज़ी, गणित, स्वास्थ्य व शारीरिक शिक्षा, व्यक्तिगत शिक्षण, नागरिक शास्त्र व नागरिकता, मानविकी, अर्थशास्त्र,भूगोल, इतिहास, संव्यवहार व सूचना व संचार प्रौद्योगिकी के मामलों के संबंध में देनी होगी।

2008 में, स्कूलों को सभी मानकों के अनुसार रिर्पोट देनी होगी। जिन अतिरिक्त मानको की रिर्पोट देनी होगी वे हैं : अंतर्वैयक्तिक विकास, विज्ञान, डिज़ाईन, सृजनात्मकता व प्रौद्योगिकी और तर्कशक्ति प्रक्रियाऐं।

© Victorian Curriculum and Assessment Authority 2006

This publication is copyright. Apart from any use permitted under the *Copyright Act 1968*, no part may be reproduced by any process without written permission of the Victorian Curriculum and Assessment Authority.

Photo credits: Altona Secondary College, Carlton North Primary School, Melbourne Girls' College, Mt Eliza Secondary College, Overnewton Anglican Community College, Seaholme Primary School, St Monica's College, Epping

ISBN 1 921264 09 8   978-1-921264-09-2

Victoria
The Place To Be

Published by

VICTORIAN CURRICULUM AND ASSESSMENT AUTHORITY
41 St Andrews Place East Melbourne Victoria 3002 Australia
TELEPHONE +61 3 9651 4300 FACSIMILE +61 3 9651 4324
EMAIL vcaa@edumail.vic.gov.au
WEB www.vcaa.vic.edu.au